प्रश्न   अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए:

एक बार की बात है, राजा भोज अपने महामंत्री के साथ किसी विषय पर चर्चा करते-करते राजधानी से बहुत दूर निकल गए और रास्ता भटक गए। उनके सामने समस्या थी कि कैसे लौटे? तभी उन्हें एक बुढ़िया दिखाई दी ,उन्होंने उससे पूछा, "माँ, हम राही हैं, रास्ता भटक गए हैं।" यह सुनकर बुढ़िया बोली, "तुम कैसे राही हो जो रास्ता ही भूल गए। राही तो दो हैं- सूर्य और चन्द्रमा| युगों से चल रहे हैं. पर राह कभी नहीं भूले।" महामंत्री ने बुढ़िया से पूछा, "माँ, यह रास्ता कहाँ जाता है?" उसने कहा, "बेटे, रास्ता कहीं नहीं जाता, वह सदा स्थिर रहता है। लोग ही इससे आते-जाते हैं।" वह अब तक भी उन्हें पहचान नहीं पा रही थी और उनका परिचय ज्ञात करना चाहती थी। राजा भोज ने कहा, "हमें अतिथि समझ लो।" बुढ़िया ने उत्तर दिया, "अतिथि तो दो हैं —धन और यौवन।" राजा भोज जिन्हें अपने ज्ञान पर घमंड था. उस बूढ़ी स्त्री की वाकपटुता से चकित हो गए और यह मान गए कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं |

(क) राजा भोज की समस्या क्या थी?

(i) वे रास्ता भटक गए थे   (ii) वे खाना भूल गए थे

(iii) वे भ्रष्ट हो गए थे   (iv) वे सामान भूल गए थे

(ख) कौन-से दो राही हैं, जो कभी रास्ता नहीं भूलते?

(i) पेड़ और पौधे   (ii) जमीन और आकाश

(iii) धन और यौवन   (iv) सूर्य और चंद्रमा

(ग) बूढ़ी स्त्री ने धन और यौवन की तुलना किससे की?

(i) दूरभाष से   (ii) अतिथि से

(iii) नौकर से   (iv) रास्ते से

(घ) राजा भोज को किस बात का घमंड था?

(i) राज्य पर   (ii) महामंत्री पर

(iii) ज्ञान पर   (iv) वाकपटुता

LIVEWORKSHEETS